NT>

Title: Need to provide funds to State Government of Uttar Pradesh for construction of embankments on both sides of Sharda river to check recrurring floods in Sitapur Parliamentary Constituency.

श्री जनार्दन प्रसाद मिश्र (सीतापुर) : महोदय, बाढ़ की विभीषिका से प्रति वर्ष देश में भीषण तबाही होती है। इस वर्ष १९९८ में बाढ़ से उत्तर प्रदेश में भारी क्षति हुई है। मेरे संसदीय क्षेत्र सीतापुर में इस वर्ष बाढ़ से भारी तबाही हुई है। सीतापुर में बहने वाली नदियां शारदा, घाघरा, चौका, सिवानी व सरायन से बिसवां, लहरपुर, महमूदाबाद, सीतापुर तहसीलों का प्रत्येक गांव बाढ़ से प्रभावित हुआ है। जिससे ग्रामों में भवन गिर गए, फसलें नष्ट हो गई हैं और वहां के लोग भुखमरी का जीवन जी रहे हैं। शारदा नदी की विशेषता यह है कि बाढ़ आने पर अपना रास्ता बदल देती है और रास्ता बदल देने के कारण जो गांव उसकी धारा में पड़ जाते हैं उन्हें काट कर ले जाती है। जिस कारण प्रति वर्ष तमाम गांव कट कर नदी के पेट में समा जाते हैं तथा फसलें भी नदी के कटाव में चली जाती हैं। प्रति वर्ष राहत व पुनर्वास में करोड़ों रुपया सरकार खर्च करती है। यदि इसके स्थायी हल के लिए शारदा नदी के दोनों ओर तटबंध बना दिया जाए तो नदी का कटाव रुक सकता है और उस क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिलेगी तथा हर वर्ष बरबादी से बच सकेंगे। इसका लाभ लखीमपुर, बहराइच व सीतापुर जिलों को मिलेगा। वर्ष १९९४-९५ में इसका सर्वेक्षण करा कर एक कार्य योजना तैयार की गई थी लेकिन आगे कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अतः मेरा जल संसाधन मंत्री जी से निवेदन है कि बाढ़ से स्थाई हल व शारदा नदी के कटान से बचाने के लिए नदी के दोनों ओर तटबंध बनवाने का कष्ट करें जिससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोग बर्बादी से बच सकें। इसके लिए राज्य सरकार को आवश्यक धन उपलब्ध कराया जाए।